MA Semester II

Paper 5, 7/02/2025

Unit 3,

Topics — Types of Concepts

प्रत्यय मुख्यतः चार प्रकार के होते हैं।

(1) सरल प्रत्यय (Simple Concepts) — किसी निश्चित विशेषता के आधार पर वस्तुओं को एक वर्ग में रखा जाता है उसे सरल प्रत्यय कहलाता है जैसे त्रिभुज, चतुर्भुज, मनुष्य आदि सरल प्रत्यय का उदाहरण है इन प्रत्ययों का मूल आधार सिर्फ एक विशेषता है

मॉर्गन एवं किंग (Morgan and King) के अनुसार किसी एक ही प्रकार के समान गुण किसी प्रत्यय को परिभाषित करता है तो इसे हम सरल प्रत्यय कहेंगे।

(2) समुच्चयबोधक प्रत्यय (Conjunctive Concepts)

जब दो या दो से अधिक उभयनिष्ठ (Common) विशेषताओं के आधार पर वस्तुओं को एक वर्ग में रखा जाता है तो उसे समुच्चयबोधक प्रत्यय कहा जाता है अर्थात जिसमें अनेक विशेषताएँ संयुक्त रूप से विद्यमान रहती हैं जैसे क्रिकेट टीम जिसमें खिलाड़ी एक तरह के ड्रेस पहने रहते हैं तथा खेल के मैदान सभी एक दूसरे का अनुसरण के साथ साथ सहयोग करते हैं।

(3) वियोजक प्रत्यय (Disjunctive Concept)

जब विभिन्न वस्तुओं में अनेक भिन्नताओं के बावजूद कम से कम एक गुण सन्निहित होता

है उसे वियोजक प्रत्यय कहते हैं। प्रत्येक आधार पर उन्हें एक वर्ग विशेष में रखा जा सकता है उसे वियोजक प्रत्यय कहते हैं। जैसे पेट्रोल, कोयला, किरासन तेल लकड़ी आदि में अनेक विभिन्नताएं हैं फिर भी इन सभी में जलने का गुण प्रधान होता है जिसके कारण हम इन्हें ईंधन प्रत्यय के अन्तर्गत रखते हैं। इसी प्रकार साईकिल, मोटरगाड़ी, स्कूटर, आदि को वाहन प्रत्यय के अन्तर्गत रखा जाता है।

(5.) संबंधात्मक प्रत्यय – (Relational Concept) – जब किसी विशेषता की मात्रात्मक भिन्नता (Quantitative) भिन्नता या समानता के आधार पर वस्तुओं को किसी एक वर्ग में रखा जाता है उसे संबंधात्मक प्रत्यय कहते हैं। जैसे भारा–हल्का, व्यक्ति–बालक छोटा–बड़ा आदि इन प्रत्ययों में लम्बाई, ऊंचाई और आकार की मात्रात्मक समानता के आधार पर वस्तुओं को एक वर्ग में रखा जाता है। अर्थात संबंधात्मक प्रत्ययों को तत्वों के संबंधों के आधार पर परिभाषित किया जाता है न कि तत्वों की निरपेक्ष विशेषता के आधार पर।

Kumar Patel
Maharaja College, Ara